प्रेस विज्ञप्ति **दिनांक–12.02.2015**

नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेला, 2015

प्रेस कॉन्फ्रेंस

''नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेला सन् 1972 से आयोजित किया जा रहा है जो अब एशिया के सबसे बड़े अंतरराष्ट्रीय उत्सवों में से एक बन गया है। नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेला पुस्तकों का महोत्सव है। हमारा उद्देश्य अधिक से अधिक लोगों को पुस्तकों तक लाकर उन्हें पुस्तकों से रूबरू कराना है।'' ये शब्द एनबीटी के अध्यक्ष श्री ए. सेतुमाधवन ने 12 फरवरी, 2015 को कॉन्स्टीट्यूशन क्लब, नई दिल्ली में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में व्यक्त किए जहाँ उन्होंने प्रगति मैदान, नई दिल्ली में **14 से 22 फरवरी, 2015** तक आयोजित होने वाले **नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेले** के संबंध में मीडिया को संबोधित किया।

उन्होंने बताया कि नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेला, 2015 का उद्घाटन माननीया मंत्री, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, श्रीमती स्मृति ज़ूबिन इरानी द्वारा 14 फरवरी, 2015 को किया जाएगा व इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रतिष्ठित लेखक, डॉ. नरेंद्र कोहली उपस्थित होंगे। इस वर्ष मेले की थीम 'सूर्योदय : पूर्वोत्तर भारत के उभरते स्वर' है। मेले में पूर्वोत्तर के साहित्य पर आधारित विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएँगे जिसके माध्यम से हम पूर्वोत्तर की संस्कृति को प्रस्तुत करेंगे। इसके साथ ही, प्रकाशकों, लेखकों तथा पुस्तक प्रेमियों के उत्साह को देखते हुए पिछले वर्षों की भांति ही इस वर्ष भी मेले में 'सीईओस्पीक', नई दिल्ली प्रतिलिप्यधिकार मंच (राइट्स टेबल) तथा लेखक मंच (ऑथर्स कॉर्नर) का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने इंडिया ट्रेड प्रमोशन आर्गनाइजेशन के सहयोग के लिए उनका आभार व्यक्त किया व आशा जताई कि एनबीटी के द्वारा पुस्तक प्रोन्नयन के लिए किए जा रहे इस प्रयास में मीडिया भी अपना सहयोग प्रदान करेगी।

इस अवसर पर एनबीटी के निदेशक, डॉ. एम.ए. सिकंदर ने कहा कि हमारा उद्देश्य नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेले को अधिक इंटरेक्टिव बनाना है। मेले के आयोजन का प्रमुख उद्देश्य युवाओं में पढ़ने की आदत को विकसित करना है। उन्होंने यह भी बताया कि अधिक से अधिक सरकारी विद्यालयों के बच्चों व वंचित बच्चों को पुस्तक मेले में लाने के लिए विशेष प्रबंध किए गए हैं। उन्होंने बताया कि हॉल सं. 7 में बच्चों के लिए कार्यक्रम आयोजित किए जाएँगे। मेले में 30 देशों के विदेशी प्रकाशकों द्वारा इवेंट हॉल तथा इवेंट कॉर्नर पर विभिन्न साहित्यिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने यह भी बताया कि इस वर्ष आगंतुकों के लिए NDWBF–2015 नाम से मोबाइल एप की शुरुआत की गई है। उन्होंने यह घोषणा की कि नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेला, 2016 में विशिष्ट अतिथि देश का सम्मान चीन को दिया जाएगा।

नेशनल बुक डेवलपमेंट काउंसिल, सिंगापुर के कार्यकारी निदेशक, श्री आर रामचंद्रन ने नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेले में विशिष्ट अतिथि देश सिंगापुर के संबंध में बातचीत की। उन्होंने कहा कि यह पुस्तक मेला हमारे लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है क्योंकि यह मेला दोनों देशों को परस्पर संवाद करने का मंच प्रदान करेगा। उन्होंने कहा कि सिंगापुर एक बहुसांस्कृतिक समाज है अतः मेले में सिंगापुर की थीम ''वैविध संस्कृति बहुविध साहित्य होगी।''

इस अवसर पर कोरियन कल्चर सेंटर के निदेशक, श्री किम कुम यॉन्ग ने कोरिया को फोकस देश का सम्मान मिलने पर अपनी खुशी व्यक्त की। उन्होनें बताया कि कोरिया 200 पुस्तकों का प्रदर्शन करेगा जिसमें मुख्यतः बाल पुस्तकें, कॉमिक्स तथा समकालीन साहित्य पर आधारित पुस्तकें शामिल होंगी।

आईटीपीओ की विशेष कार्य अधिकारी, सुश्री मीनाक्षी सिंह ने बताया कि इस वर्ष आईटीपीओ द्वारा वरिष्ठ नागरिकों के लिए मेले में विशेष व्यवस्था की गई है। आगंतुकों के लिए विभिन्न हॉलों के पास सहायता हेतु वाहन उपलब्ध करवाए जाएँगे। उन्होंने यह भी बताया कि 22 फरवरी, 2015 को समापन समारोह में आईटीपीओ द्वारा प्रकाशकों को उत्तम प्रदर्शन के लिए पुरस्कृत भी किया जाएगा।

नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेले के विशेष आकर्षण

नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेला, 2015 का उद्घाटन **श्रीमती स्मृति जूबिन इरानी**, माननीया मंत्री, मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा 14 फरवरी, 2015 को प्रातः 11.00 बजे हंसध्वनि थिएटर, प्रगति मैदान, नई दिल्ली में किया जाएगा । इस अवसर पर प्रतिष्ठित लेखक, **डॉ. नरेंद्र कोहली** विशिष्ट अतिथि होंगे। अतिथि देश सिंगापुर का प्रतिनिधित्व भारत में सिंगापुर गणराज्य के माननीय उच्चायुक्त, **श्री लिम थुआन कुआन**एवं फोकस देश कोरिया का प्रतिनिधित्व भारत में कोरिया गणराज्य के राजदूत, माननीय **श्री ली जून–ग्यू** करेंगे ।

थीम प्रस्तुति : नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेला, 2015 की थीम है –**सूर्योदय – पूर्वोत्तर भारत के उभरते स्वर**। इसमें एनबीटी द्वारा पूर्वोत्तर भारत की क्षेत्रीय विशेषताओं तथा वहाँ के जनजीवन से परिचय कराने वाले विविधतापूर्ण साहित्य को प्रदर्शित किया जाएगा । थीम पेवैलियन में प्रख्यात लेखकों के साथ पूर्वोत्तर के समृद्ध लेखन, फिल्म तथा इतिहास पर पैनल चर्चाएँ, कार्यशालाएँ, परस्पर संवादात्मक सत्र तथा सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन भी किया जाएगा ।

विशिष्ट अतिथि देश : नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेला, 2015 में सिंगापुर को विशिष्ट अतिथि देश का सम्मान प्रदान किया गया है। सिंगापुर अपने 43 सदस्यों के बड़े प्रतिनिधिमंडल, जिसमें वहाँ के प्रतिष्ठित प्रकाशक, लेखक तथा शिक्षाविद शामिल होंगे, के साथ पुस्तक मेले में भाग लेगा जिनका प्रतिनिधित्व नेशनल बुक डेवलपमेंट काउंसिल, सिंगापुर की चेयरपर्सन, सुश्री क्लेअर चेंग करेंगी। इसके अतिरिक्त, विशेष सिंगापुर पेवैलियन मेंकुछ नवीनतम प्रकाशनों के साथ–साथ पैनल–चर्चाएँ, लेखक से मिलिए कार्यक्रम, व्यापारिक आदान–प्रदान तथा सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन भी किया जाएगा ।

फोकस देश :इस वर्ष,मेले में एनबीटी 'फोकस देश' के जरियेभारतीय प्रकाशकों एवं विदेशी भागीदारों के बीच संवाद को सरल बनाने, आपसी संबंध स्थापित करने तथा व्यापार को बढ़ाने की शुरुआत भी कर रहा है। इस वर्ष दक्षिण कोरिया 12 सदस्यों के प्रतिनिधिमंडल के साथ कोरियन पब्लिशर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष, श्री कोह यंग–सू के प्रतिनिधित्व में 'फोकस देश' के रूप में भागीदारी करेगा । इस मंडप में विशेष आकर्षण का केंद्र, कोरिया में प्रकाशित लगभग 200 चुनिंदा पुस्तकों की प्रदर्शनी होगी जिसमें अधिकतर बाल साहित्य, कॉमिक्स, समकालीन साहित्य व कोरिया के इतिहास, कला व संस्कृति पर आधारित पुस्तकें होंगी।

विदेशी मंडप :विदेशी मंडप में सिंगापुर के अलावा दक्षिण कोरिया, ऑस्ट्रेलिया, चीन, मिस्र, फ्रांस, इंडोनेशिया, ईरान, जर्मनी, जापान, मलेशिया, नेपाल, पोलैंड, पाकिस्तान, सउदी अरब, स्पेन, श्री लंका, तुर्की, संयुक्त अरब अमीरात, संयुक्त राज्य अमरीका, स्वीडन, क्यूबा, आस्ट्रिया तथा अंतरराष्ट्रीय संस्थाएँ जैसे डब्ल्यूएचओ, यूनेस्को, इयूनिक सहित लगभग 30 देश अपनी पुस्तकों का प्रदर्शन अथवा कार्यक्रमों का आयोजन करेंगे।

बाल मंडप : बच्चों में सृजनात्मकता तथा पढ़ने की रुचि को बढ़ावा देने के लिए एनबीटी द्वारा राष्ट्रीय बाल साहित्य केंद्र (एनसीसीएल) के माध्यम से प्रगति मैदान के हॉल नं. 7 में विशेष बाल मंडप लगाया जाएगा । इस मंडप में विभिन्न भारतीय भाषाओं में बाल साहित्य के विभिन्न पहलुओं पर आधारित पुस्तकों एवं पत्रिकाओं एवं जर्नलों की प्रदर्शनी लगाई जाएगी।एनसीसीएल द्वारा पेवैलियन में विभिन्न बाल गतिविधियों का आयोजन भी किया जाएगा जिसमें प्रख्यात लेखकों, चित्रकारों तथा कथावाचकों तथा व्यवसायिकों यथा उषा वेंकटरमन, आबिद सुरती, प्रयाग शुक्ल, डॉ. मधु पंत, अजीत नैनन, सुधीर तैलंग, रजनीकांत शुक्ला तथा अन्य बच्चों से परस्पर संवाद करेंगे।

बी2बी गतिविधियाँ: एनबीटी फिक्की (एफआईसीसीआई) के सहयोग से 15 फरवरी, 2015 को सीईओ स्पीक पब्लिशर्स फोरम का आयोजन करेगा जिसमें भारतीय व विदेशी प्रकाशन उद्योग से जुड़े 100 से अधिक सीईओ, निदेशक तथा अन्य वरिष्ठ व्यवस्थापक भाग लेंगे और पुस्तक व्यापार से संबंधित विषयों पर चर्चा करेंगे । एनबीटी 16 व 17 फरवरी, 2015 को दो–दिवसीय नई दिल्ली राइट्स टेबल का आयोजन भी करेगा जिसमें भारत के अलावा 27 अन्य देश जैसे बांग्लादेश, ताइवान, तेहरान, यूएसए तथा कई अन्य की भागीदारी होगी। यह अद्वितीय प्रारूप प्रतिभागियों को अपने प्रतिलिप्यधिकार मंच को सुरक्षित करने, परस्पर भेंट करने, अपने उत्पाद एवं विचार प्रस्तुत करने तथा अँगेजी, हिंदी तथा अन्य भारतीय भाषाओं में उपलब्ध पुस्तकों के अनुवाद एवं अधिकारों के हस्तांतरण हेतु अपनी अभिरुचियों तथा समझौतों को प्रायोगिक तौर पर अंतिम रूप प्रदान करने के भी अवसर प्रदान करेगा।

साहित्यिक हलचल–पिछले वर्षों की भाँति इस वर्ष भी विभिन्न लेखक मंचों पर प्रख्यात लेखक तथा अन्य साहित्यिक हस्तियाँ पुस्तक प्रेमियों के साथ संवाद स्थापित करेंगे व विभिन्न पठन–सत्र आयोजित किए जाएँगे। मेले में हॉल संख्या 8,10,12, तथा 14 में क्रमशः 'लेखक मंच, साहित्य मंच, प्रतिबिंब (रिफलेक्शन), बातचीत (कन्वर्सेशन) नाम से ऑथर कार्नर का आयोजन किया जा रहा है। इस वर्ष मेले में पहली बार विदेशी मंडप में इवेंट कार्नर (हॉल सं. 7ए) की शुरुआत की जा रही है जहाँ अतिथि एवं फोकस देशों के अतिरिक्त 10 से अधिक देशों द्वारा कार्यक्रम आयोजित किए जाएँगे। राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं की सक्रिय भागीदारी से लगभग 50 पैनल चर्चाएँ, पठन सत्र, बच्चों के लिए कार्यशालाएँ,पुस्तक लोकार्पण कार्यक्रम आदि आयोजित किये जाएँगे।

मोबाइल एप– न्यास द्वारा 'NDWBF-2015' नाम से एक विशेष मोबाइल एप की शुरुआत की गई है जो सभी एंड्रायड तथा आइफोन पर उपलब्ध है। इस एप को मेले में आने वाले आगंतुकों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए डिज़ाइन किया गया है। इस एप के माध्यम से आगंतुक विभिन्न पेवैलियन, हॉलों व विशिष्ट प्रदर्शकों तथा उनकी स्टॉल संख्या व हॉल संख्या तक आसानी से पहुँच सकेंगे। यह एप आगंतुकों को उनके लक्षित स्थान तक जाने का मार्ग दिखाएगी। एनबीटी फेसबुक(facebook.com/nationalbooktrustindia&facebook.com/newdelhiworldbookfair) तथा ट्विटर (@ndworldbookfair) के जरिये सोशल मीडिया पर भी सक्रिय होगा।

अन्य आकर्षण– विशिष्ट कला एवं शिल्प कार्यशालाएँ, बच्चों के लिए सृजनात्मक लेखन/चित्रकला प्रतियोगिताएँ तथा सांस्कृतिक कार्यक्रम आदि मेले में अन्य आकर्षण के केंद्र होंगे ।

प्रवेश टिकट–आईटीपीओ द्वारा निर्धारित प्रवेश शुल्क व्यस्को के लिए ₹20/– तथा स्कूली बच्चों के लिए ₹10/– होगा तथा आम जनता के लिए प्रवेश टिकट गेट नं. 1,2,7,8 तथा 10 पर उपलब्ध होंगे। पुस्तक मेले में आम जनता के लिए प्रवेश सभी गेटों द्वारा होगा। एनबीटी द्वारा दिल्ली मेट्रो कॉर्पोरेशन (डीएमआरसी) के सहयोग से मेले की प्रवेश टिकट 37 प्रमुख स्टेशनों तथा कश्मीरी गेट एवं विश्वविद्यालय मेट्रो स्टेशन स्थित एनबीटी बुक शॉप पर भी उपलब्ध कराई जाएगी ।

नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेले में प्रकाशकों का श्रेणीवार विवरण इस प्रकार है :

1.	सामान्य एवं व्यापार	हॉल सं. 6 ,9,10 एवं 11
2.	विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी एवं ई–बुक्स	हॉल नं. 14
3.	विदेशी मंडप	हॉल नं. 7
4.	हिंदी एवं क्षेत्रीय भाषाएँ	हॉल नं. 12, 12ए
5.	सामाजिक विज्ञान	हॉल नं. 6 एवं 1आर
6.	शैक्षणिक सामग्री, सीडी, खेल आदि	हॉल नं. 14
7.	बाल एवं शैक्षणिक पुस्तकें	हॉल नं. 1ए एवं 1आर
8.	सरकारी प्रकाशन	हॉल न. 14